



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनक भास्कर	15.10.26	4	1-3

प्याज की नई वैरायटी को लेकर एचएयू का असम की कंपनी से एमओयू नॉर्थ ईस्ट के खेतों में लहलाएगी कॉपर कलर वाली हिसार प्याज-3 किस्म

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित हिसार प्याज-3 के लिए यूनिवर्सिटी ने निजी क्षेत्र की कंपनी मैजैस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी असम के साथ एमओयू किया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर मैजैस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी की ओर से एग्जिक्यूटिव मैबर नीरज अग्रवाल ने जबकि विवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।

एमओयू के तहत कंपनी अब बड़े पैमाने पर कमर्शियल बीज का उत्पादन कर देशभर के विभिन्न प्रांतों में इसे पहुंचाएगी। पूर्वोत्तर राज्यों तक प्याज का बीज पहुंचेगा और किसानों को बंपर पैदावार का लाभ मिलेगा। इस फसल में कीटों और बीमारियों का प्रकोप भी अन्य किस्मों से कम है।



एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी प्रतिनिधि व अधिकारी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एसके तेहलान, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग, डॉ. पवन व कंपनी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रति एकड़ 125 किंटा तक हो सकती है पैदावार

एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस किस्म के प्याज के कंद तांबे जैसे चमकीले भूरे लाल रंग व ग्लोबुलर आकार के होते हैं और कम तीखापन होते हुए भी भंडारण क्षमता अधिक होती है। प्याज में कुल घुलनशील तत्व की मात्रा 14 प्रतिशत होती है। इस किस्म की

खड़ी फसल में फूल वाले डंठल व भंडारण में फुटाव बहुत ही कम होता है। इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया इवार्फ विषाणु रोग व चूरड़ा कीट का आक्रमण अति न्यूनतम है। यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 किंटा तक प्रति एकड़ पैदावार देती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समझौता समाचार	15.10.26	11	6-9

हकृवि का हिसार प्याज -3 असम में लहराएगा अपना परचम : प्रो. काम्बोज

हिसार, 14 अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। हकृवि द्वारा ईजाद की जा रही उन्नत किस्मों की मांग देश भर में बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कंपनी मैजैस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी (असम) ने हकृवि के साथ हिसार प्याज-3 के लिए

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज उपलब्ध

करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा। कुलपति प्रो.



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी प्रतिनिधि व अधिकारी।

बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर मैजैस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी की ओर से एग्जिक्यूटिव मैनेजर नीरज अग्रवाल ने जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस किस्म के प्याज के कंद तांबे जैसे

चमकीले भूरे लाल रंग व ग्लोबुलर आकार के होते हैं और कम तीखापन होते हुए भी भंडारण क्षमता अधिक होती है। प्याज में कुल घुलनशील तत्व की मात्रा

14 प्रतिशत होती है। इस किस्म की खड़ी फसल में फूल वाले डंठल व भंडारण में भी फुटाव बहुत ही कम होता है। इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया इवार्फ विषाणु रोग व चूरडा कीट का आक्रमण अति न्यूनतम है। यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 क्विंटल तक प्रति एकड़ पैदावार

देती है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एसके तेहलान मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग, डॉ. पवन व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.10.26	4	1-3

प्याज - 3 असम में लहराएगा परचम

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। निजी क्षेत्र की कंपनी मैजैस्टिक इम्पेक्स गुवाहाटी (असम) ने हकूवि के साथ हिसार प्याज-3 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने

बताया कि हकूवि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। विज्ञानियों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे प्याज का उत्पादन करने वाले किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

प्याज की इस वेरायटी में 14 प्रतिशत घुलनशील तत्व

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस किस्म के प्याज के कंद तांबे जैसे चमकीले भूरे लाल रंग व ग्लोबुलर आकर के होते हैं और कम तीखापन होते हुए भी भंडारण क्षमता अधिक होती है। प्याज में कुल घुलनशील तत्व की मात्रा 14 प्रतिशत होती है। इस किस्म की खड़ी फसल में फूल वाले डंठल व भंडारण में भी फुटाव बहुत ही कम होता है। इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया इवार्फ विषाणु रोग व चूरडा कीट का आक्रमण अति न्यूनतम है। यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 विवटल तक प्रति एकड़ पैदावार देती है।



हकूवि के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज के साथ असम की कंपनी के प्रतिनिधि व अधिकारी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	15-10-26	2	1-2

असम में भी लहराएगा एचएयू के हिसार प्याज-3 का परचम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वैज्ञानिकों की ओर से विकसित प्याज की उन्नत किस्म हिसार प्याज-3 अब असम में भी किसानों को बेहतर उत्पादन देने में मदद करेगी। इस किस्म के लिए विश्वविद्यालय ने असम की निजी क्षेत्र की कंपनी मैजैस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर प्रति एकड़ लगभग 125 क्विंटल तक पैदावार देने में सक्षम है। इसमें गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया (ड्वार्फ) विषाणु रोग और चूरडा कीट का प्रकोप भी बेहद कम होता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि एचएयू के वैज्ञानिक लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में

**130 से 140 दिन में तैयार
होगी फसल, प्रति एकड़ 125
क्विंटल तक पैदावार**

विकसित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की किस्में देशभर में किसानों के बीच अपनी पहचान बना रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज उपलब्ध कराने से प्रदेश और देश के खाद्य उत्पादन में वृद्धि हो सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि हिसार प्याज-3 के कंद तांबे जैसे चमकीले भूरे-लाल रंग के और गोलाकार होते हैं। इनमें तीखापन कम होने के बावजूद भंडारण क्षमता अधिक है। प्याज में कुल घुलनशील तत्वों की मात्रा 14 प्रतिशत है। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब रेसर्च	15-10-26	4	5-6

हकृवि का हिसार प्याज-3 असम में लहराएगा अपना परचम: प्रो. काम्बोज



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी प्रतिनिधि व अधिकारी।

हिसार, 14 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। हकृवि द्वारा ईजाद की जा रही उन्नत किस्मों की मांग देश भर में बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में गुवाहटी (असम) की निजी क्षेत्र की कंपनी ने हकृवि के साथ हिसार प्याज-3 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गंग ने बताया कि यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 क्विंटल तक प्रति एकड़ पैदावार देती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	15.10.26	9	6-8

असम में लहलहाएगा हिसार का प्याज हकूवि और मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी के बीच हुआ समझौता

हरि न्यूज ►► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। हकूवि द्वारा ईजाद की जा रही उन्नत किस्मों की मांग देश भर में बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कंपनी मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी (असम) ने हकूवि के साथ हिसार प्याज-3 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हकूवि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।



जानिए... हिसार प्याज-3 किस्म की विशेषताएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस किस्म के प्याज के कंद तांबे जैसे चमकीले भूरे लाल रंग व ग्लोबुलर आकर के होते हैं और कम तीखापन होते हुए भी भंडारण क्षमता अधिक होती है। प्याज में कुल घुलनशील तत्व की मात्रा 14 प्रतिशत होती है। इस किस्म की खड़ी फसल में फूल वाले डंठल व भंडारण में भी फुटारि बहुत ही कम होता है। इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया इवार्फ विषाणु रोग व चूरडा कीट का आक्रमण अति न्यूनतम है। यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 विंटल तक प्रति एकड़ पैदावार देती है। कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी की ओर से एग्जिक्यूटिव मैनेजर नीरज अग्रवाल ने जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दीगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एसके तेहलान मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेंद्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग, डॉ. पवन व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्युज	14.10.26	-----	----

हक्वि का हिसार प्याज-3 असम में लहराएगा अपना परचम : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्युज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। हक्वि द्वारा ईजाद की जा रही उन्नत किस्मों की मांग देश भर में बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कंपनी मैजैस्टिक इम्पेक्स, मुवाहाटी (असम) ने हक्वि के साथ हिसार प्याज-3 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हक्वि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

इन अधिकारियों ने किए हस्ताक्षर

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर मैजैस्टिक इम्पेक्स, मुवाहाटी की ओर से एग्जिक्यूटिव मैनेजर नीरज अग्रवाल ने जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।



हिसार प्याज -3 की विशेषताएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस किस्म के प्याज के कंद तबे जैसे चमकीले भूरे लाल रंग व ग्लोबुलर आकार के होते हैं और कम तीखापन होते हुए भी भंडारण क्षमता अधिक होती है। प्याज में कुल घुलनशील तत्व की मात्रा 14 प्रतिशत होती है। इस किस्म की खाड़ी फसल में फूल वाले डंडल व भंडारण में भी फुटाव बहुत ही कम होता है। इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया इवार्फ

विषाणु रोग व चूरडा कीट का आक्रमण अति न्यूनतम है। यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 क्विंटल तक प्रति एकड़ पैदावार देती है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल खेंगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एसके तेहलान मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग, डॉ. पवन व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	14.10.26	-----	-----

हकूवि का हिसार प्याज -3 असम में लहराएगा अपना परचम!, हकूवि और मैजेस्टिक इम्पेक्स में हुआ करार

नम-छोर न्यूज 14 अक्टूबर
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कंपनी मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी (असम) ने हकूवि के साथ हिसार प्याज-3 के

लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकूवि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर मैजेस्टिक इम्पेक्स,

गुवाहाटी की ओर से एग्जिक्यूटिव मेंबर नीरज अग्रवाल ने जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस किस्म के प्याज के कंद तांबे जैसे चमकीले भूरे लाल रंग व ग्लोबुलर आकर के होते हैं और कम तीखापन होते हुए भी भंडारण क्षमता अधिक होती है। प्याज में कुल

घुलनशील तत्व की मात्रा 14 प्रतिशत होती है। इस किस्म की खड़ी फसल में फूल वाले डंठल व भंडारण में भी फुटाव बहुत ही कम होता है। इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया इवार्फ विषाणु रोग व चूरडा कीट का आक्रमण अति न्यूनतम है। यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 क्विंटल तक प्रति एकड़ पैदावार देती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस	14.10.26	-----	----

हकृवि का हिसार प्याज-3 असम में लहराएगा अपना परचम, किया एमओयू : प्रो. काम्बोज

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीज देश भर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। हकृवि द्वारा ईजाद की जा रही उन्नत किस्मों की मांग देश भर में बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में निजी क्षेत्र की कंपनी मैजैस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी (असम) ने हकृवि के साथ हिसार प्याज-3 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही



हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

कुलपति की उपस्थिति में हुए समझौते पर मैजैस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी की ओर से एग्जिक्यूटिव मैनबर नीरज अग्रवाल ने जबकि विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान

निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एसके तेहलान, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग, डॉ. पवन व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	15.10.26	-----	----

हकूवि के हिसार प्याज-3 की देशभर में बढ़ेगी पहुंच, असम की कंपनी से समझौता

सच कहूं/मुकेश

हिसार, 14 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूवि) की उन्नत फसल किस्मों की मांग देशभर में बढ़ रही है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने असम के गुवाहाटी स्थित निजी कंपनी मैजेस्टिक इम्पेक्स के साथ हिसार प्याज-3 किस्म के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते से विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्याज की उन्नत किस्म को देशभर के किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हकूवि के वैज्ञानिक लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित कर रहे हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने से प्रदेश और देश के खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ समझौते के दौरान कंपनी प्रतिनिधि और विश्वविद्यालय के अधिकारी।

उपस्थिति में मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी की ओर से एंजीक्वटिव मैबर नीरज अग्रवाल और विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल खीगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एसके तेहलान, मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य, डॉ. पवन और कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

**कम तीखापन, अधिक
भंडारण क्षमता**

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग ने बताया कि हिसार प्याज-3

के कंद तांबे जैसे चमकीले भूरे-लाल रंग के और गोलाकार होते हैं। इस किस्म में तीखापन कम होने के बावजूद भंडारण क्षमता अधिक है। प्याज में कुल घुलनशील तत्वों की मात्रा 14 प्रतिशत है। इसकी खड़ी फसल में फूल वाले डंठल निकलने और भंडारण के दौरान फुटाव की समस्या भी बहुत कम होती है। उन्होंने बताया कि इस किस्म में गुलाबी दाग, प्याज का पीलिया, इवार्फ विषाणु रोग और चूरड़ा कोट का प्रकोप बेहद कम पाया जाता है। यह किस्म 130 से 140 दिन में तैयार हो जाती है और प्रति एकड़ लगभग 125 क्विंटल तक पैदावार देने में सक्षम है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	15.10.26	-----	----

हकूवि का हिसार प्याज-3 असम में लहराएगा परचम : प्रो. काम्बोज

हकूवि और मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी के बीच समझौता

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 15 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूवि) ने अपनी उन्नत प्याज किस्म हिसार प्याज-3 के लिए असम की कंपनी मैजेस्टिक इम्पेक्स, गुवाहाटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय की उन्नत किस्मों की मांग देशभर में बढ़ रही है। इन किस्मों से किसानों की आय और कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। कुलपति की उपस्थिति में कंपनी की ओर से



नीरज अग्रवाल और विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि हिसार प्याज-3 के कंद चमकीले भूरे-लाल रंग के होते हैं। इसकी भंडारण क्षमता अच्छी है और फसल 130 से 140 दिन में तैयार होकर लगभग 125 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार देती है। इसमें

प्रमुख रोगों और कीटों का प्रकोप भी कम होता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. एसके तेहलान, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग, डॉ. पवन सहित अन्य अधिकारी और कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15/10/26	3	8

**एचएयू का साइना संस्थान महिलाओं को
19 कौशल प्रशिक्षण दे रहा : वीसी काम्बोज**

हिसार | अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस के मौके पर एचएयू के कुलपति बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका अहम है। महिलाएं खेतों में श्रम, पशुपालन, बीज संरक्षण, खाद्य प्रसंस्करण और परिवार के पोषण सहित कई क्षेत्रों में योगदान देती हैं। इसके बावजूद महिलाओं को आर्थिक पहचान, तकनीकी सहयोग और उद्यमिता के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। काम्बोज के अनुसार, सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान 19 कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों के जरिए तकनीकी प्रशिक्षण देता है। इनमें मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, फल-सब्जी संरक्षण, नर्सरी प्रबंधन आदि शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब केसरी	15-10-26	4	1

कौशल से आत्मनिर्भरता तक: ग्रामीण महिला सशक्तीकरण में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका: प्रो. काम्बोज

हिसार, 14 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि भारत की कृषि व्यवस्था की मजबूती में ग्रामीण महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेतों में श्रम, पशुपालन, बीज संरक्षण, खाद्य प्रसंस्करण और परिवार के पोषण से लेकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने तक, महिलाएं अनेक भूमिकाएं निभाती हैं। इसके बावजूद उनके परिश्रम को आर्थिक पहचान, तकनीकी सहयोग और उद्यमिता के पर्याप्त अवसर हमेशा नहीं मिल पाते। इसलिए ग्रामीण महिला सशक्तीकरण को केवल सामाजिक कल्याण के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि कृषि विकास, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के व्यापक लक्ष्य से जोड़कर देखना आवश्यक है।

अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस के अवसर पर यह समझना महत्वपूर्ण है कि महिलाओं की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब उन्हें प्रशिक्षण के साथ आधुनिक तकनीक, बाजार, वित्तीय संसाधनों और निर्णय प्रक्रिया तक भी पहुंच मिले। इस दिशा में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल शिक्षा और अनुसंधान तक सीमित नहीं है, वे वैज्ञानिक ज्ञान को ग्रामीण महिलाओं की आजीविका से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण संस्थान हैं। प्रो. काम्बोज ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब ग्रामीण महिलाओं का श्रम सम्मान, उनका कौशल रोजगार और उनकी प्रतिभा उद्यमिता में परिवर्तित होगी। कृषि विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे इस परिवर्तन को वैज्ञानिक ज्ञान, व्यावहारिक प्रशिक्षण और निरंतर सहयोग के माध्यम से गति दें।